हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

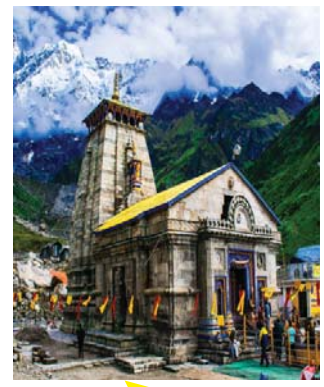

वर्ष:4 अंक:251 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, सोमवार, 15 सितंबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से विधायकों ने की मुलाकात, विकासपरक कार्यों की मांग

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में विधायक सहदेव पुंडीर, खजान दास, सुरेश चौहान, भरत चौधरी, संजय डोभाल, अनिल नौटियाल, प्रीतम पंवार सहित कई जनप्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों की विकासपरक मांगों और स्थानीय समस्याओं से मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने सभी मुद्दों के त्वरित समाधान हेतु सम्बन्धित विभागों को निर्देश देने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि जनता को पारदर्शी और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से विकास कार्यों की गति और तेज़ होगी तथा समस्याओं का समाधान प्रभावी रूप से संभव हो पाएगा। उन्होंने हाल ही में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आई प्राकृतिक आपदाओं का जिक्र करते हुए विधायकों से प्रभावित क्षेत्रों का स्वयं भ्रमण कर ज़रूरतमंद परिवारों तक समयबद्ध सहायता पहुँचाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रभावित हर परिवार को हरसंभव मदद मुहैया कराएगी और राहत व पुनर्वास कार्यों को गति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार सड़क संपर्क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, पेयजल और ऊर्जा जैसे बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि संतुलित और सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं को नज़दीक से सरकार तक पहुँचाएं और सामूहिक प्रयासों से प्रदेश की प्रगति सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने दी 136.68 करोड़ की विकास योजनाओं को मंजूरी

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में विभिन्न विकास योजनाओं को वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। कुल 136.68 करोड़ रुपये की धनराशि विभिन्न जिलों में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, पर्यटन विकास और स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन पर खर्च होगी। चम्पावत जिले में मुडियानी में उद्यान फार्म के लिए 37.51 लाख और अमोडी में हाऊस ऑफ हिमालयाज विपणन केंद्र हेतु 49.82 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। देहरादून के धर्मपुर विधानसभा क्षेत्र में सेवला कलां की जर्जर पाइपलाइन बदलने के लिए 60 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। बागेश्वर जिले के कपकोट क्षेत्र में अलखनाथ मंदिर

किलपारा व अन्य धार्मिक स्थलों के पर्यटन विकास व सौंदर्यीकरण के लिए 58.64 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। वहीं, टिहरी जिले के धनौल्टी में द्वारिकापुरी में यात्री विश्राम गृह निर्माण के लिए 60 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में भी बड़ा कदम उठाते हुए 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में ग्रामीण पीएचसी और उपकेंद्रों को स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र में परिवर्तित करने हेतु 35.50 करोड़ रुपये अवमुक्त किए हैं। इसके अलावा शहरी स्थानीय निकायों को अनाबद्ध/अनिर्दिष्ट अनुदान की पहली किस्त के रूप में 39.41 करोड़ रुपये और आबद्ध/निर्दिष्ट अनुदान की पहली किस्त के रूप में 59.11 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि इन स्वीकृतियों से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत होंगी, पर्यटन को गति मिलेगी और बुनियादी सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा।

युद्ध के मैदान के बाद क्रिकेट की पिच पर हारा पाकिस्तान, दुबई में भारत ने छुड़ाए छक्के; बुरी तरह रौंदा

दुबई। भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया है. विवादों में रहे इस मैच में पाकिस्तान टीम कभी भी जीत के करीब नजर ही नहीं आई. पाक टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 127 रन बनाए थे, जवाब में भारतीय टीम ने 25 गेंद शेष रहते लक्ष्य को हासिल कर लिया. इस जीत के साथ भारतीय टीम ने सुपर-4 में जगह लगभग पक्की कर ली है. गेंदबाजी में कुलदीप यादव ने 3 विकेट झटके और बैटिंग में अभिषेक शर्मा ने भारत को धुआंधार शुरुआत दिलाई थी.

128 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को अभिषेक शर्मा ने तूफानी शुरुआत दिलाई. अभिषेक के ताबड़तोड़ शॉट्स की बदौलत भारत ने चौथे ओवर में ही 40 रनों का आंकड़ा पार कर लिया था.

इसी ओवर में अभिषेक 13 गेंद में 33 रन बनाकर आउट हुए. शुभमन गिल कुछ खास कमाल नहीं कर पाए. 10 रन के स्कोर पर वो सैम अय्यूब की गेंद पर चकमा खाकर स्टम्प आउट हो गए. भारत के 41 रन पर 2 विकेट गिर गए थे. यहां से तिलक वर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिम्मेदारी संभालते हुए 56 रनों की बेहद महत्वपूर्ण साझेदारी की.

असम को विकसित कर बनाएंगे देश के विकास का आधार : मोदी

नुमालीगढ़ (असम)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि असम का विकास उनकी सरकार की प्राथमिकता है और राज्य में सेमीकंडक्टर संयंत्र, बायोएथेनॉल तथा ईंधन संयंत्रों के जरिये असम को देश के विकास का आधार बनाया जाएगा।

श्री मोदी ने पूर्वोत्तर के दो दिन के दौरे के आखिर दिन रविवार के यहां रिफाइनरी संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए आज के दिन को असम के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि असम को आज हज़ारों करोड़ करोड रुपए की परियोजनाएं दी गई हैं। असम में जहां प्लास्टिक के समान को आधुनिक तरीके से तैयार करने के लिए पोलीप्रोपाईलीन संयंत्र दिया गया है वही बायोएथानाल तथा रिफाइनरी को आधुनिक बनाने के संयंत्र दिए गए हैं। उनका कहना था की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज की दुनिया के लिए अत्यंत अहम %सेमीकंडक्टर% निर्माण के क्षेत्र में असम को विकास के आधार का महत्वपूर्ण सहयोगी बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा,÷विकसित भारत की यात्रा के लिए आज का दिन महत्वपूर्ण है क्योंकि आज असम को असज करीब 18000 करोड रुपए की परियोजनाएं मिली है। ये प्रयास विकसित असम का रास्ता और मजबूत करेंगे, असम से भारत का ऊर्जा सामर्थ्य बढ़ेगा और देश के विकास को गति मिलेगी। असम को भाजपा सरकार नयी बुलंदी तक पहुंचने का काम कर रही है और इससे असम के विकास को

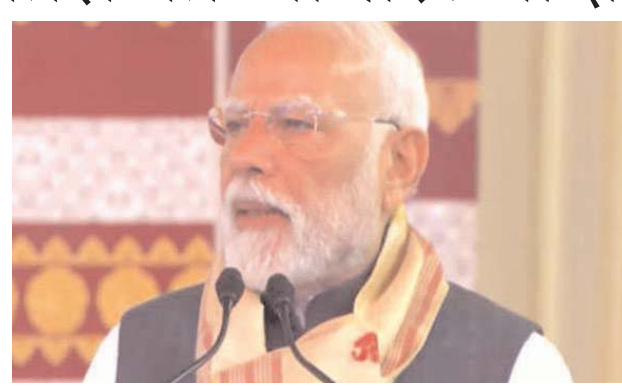

गति मिलेगी तथा युवाओं व किसानों के लिए नए अवसर मिलेंगे। मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत तेजी से विकसित हो रहा है उसके लिए गैस, बिजली, ईंधन की जरूरत बढ़ेगी। अब तक हम गैस तथा कच्चा तेल आयात करते हैं और लाखों करोड़ों रुपए इसमें खर्च किए जाते हैं। हमारे पैसे से विदेश में रोजगार के अवसर बनते हैं लेकिन अब स्थिति में बदलाव आना चाहिए। हम अब ईंधन क्षेत्र में और स्वच्छ ऊर्जा के लिए अपने सामर्थ्य को नई दिशा दे रहे हैं। हमारे समुद्री क्षेत्र में विशेषज्ञों के अनुसार ईंधन का भंडार है उसके दोहन लिए हम तेजी से कदम उठा रहे हैं। सौर ऊर्जा के मामले में हम तेजी से आगे बढ़े हैं और हम दुनिया के प्रमुख देशों में शामिल हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि असम में जो बायोएथनॉल संयंत्र लगाया गया है उससे यहां किसानों को फायदा होगा और किसानों को खेती करने में मदद मिलेगी। उनका कहना था कि असम में हर साल 200 करोड रुपए किसानों के हित में खर्च किये जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भी हमला करते हुए कहा कि उनकी (कांग्रेस की) सरकार बांस काटने पर लोगों को जेल भेजती थी जबकि यह हमारे जीवन का हिस्सा है। बांस काटने पर प्रतिबंध नहीं लगना चाहिए और इसी विचार से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने बांस काटने पर प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने असम को हिंसा दी, विवाद दिया जबकि भाजपा असम को समृद्ध बना रही है। उनकी सरकार ने असम की भाषा असमिया को क्लासिकल भाषा के दर्जे में शामिल किया गया है। कांग्रेस ने असम के लोगों को सम्मान कभी नहीं दिया और असम की महान विभूतियां के नाम पर कभी काम नहीं किया, उन्हें नजरअंदाज करते रहे लेकिन भाजपा सरकार ने असम में यहां की महान हस्तियां को स्मरण करते हुए उनके नाम को आगे बढ़ाने के लिए बड़े बड़े काम किए है।

प्रधानमंत्री तक स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की आवाज पहुंचाकर गौरव का अनुभव करूँगा- नरेश बंसल

पथ प्रवाह, संवाददाता, धीरज शर्मा

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के तत्वावधान में देश के 19 प्रान्तों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के कार्यकारिणी सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक भारतीय किसान संघ कार्यालय पंडित दीनदयाल उपाध्याय मार्ग में आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि यदि सरकार द्वारा स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों की इसी तरह उपेक्षा की गई तो हमें मजबूर होकर आजादी के महानायकों राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद तथा भगत सिंह जैसे महामानों का अनुसरण करते हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों शहीदों के सम्मान तथा उनके उत्तराधिकारियों के अस्तित्व की रक्षा के लिए क्रान्ति का बिगुल बजाना होगा। बैठक में स्वतंत्रता सेनानी परिवार से सम्बद्ध राज्यसभा सांसद माननीय नरेश बंसल भी पहुंचे, उन्होंने आश्वासन दिया कि आपका संदेश सरकार तक पहुंचाकर यथाशीघ्र प्रपत्र पर दिए गए बिंदुओं पर चर्चा करके माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आजादी के शताब्दी समारोह तक स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सपनों का भारत बनाएंगे की घोषणा को धरातल पर उतरने में स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका निर्धारित की जाएगी। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री तक स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की आवाज पहुंचाकर अपने आप को गौरवान्वित अनुभव करूँगा।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति द्वारा प्रेस क्लब ऑफ इंडिया नई दिल्ली में आयोजित हुई प्रेस वार्ता के सम्बन्ध में दूरभाष पर जानकारी देते हुए समिति के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि आजादी के अमृत महोत्सव में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा आजादी के शताब्दी समारोह तक ÷स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सपनों का भारत बनाएंगे÷ की घोषणा की गई थी, बाद में भी विभिन्न मंचों से माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस संकल्प को दोहराया, किन्तु स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सपने क्या थे, यह जानकारी सरकार को कहां से मिलेगी? यह तो उनके वंशज ही बता पाएंगे, जिनसे सरकार ने अत्यधिक दूरी बना रखी है। इस दौरान रघुवंशी पत्रकार वार्ता में बताया कि हमने अमृत महोत्सव वर्ष में सरकार से दिल्ली में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मेमोरियल की स्थापना करने, भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की एमिनेंट कमेटी में सेनानी परिवारों के हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत संगठनों के प्रतिनिधियों को मनोनीत करने, संवैधानिक संस्थाओं राज्यसभा, विधान परिषद, केन्द्रीय समितियों तथा नगर निकायों में सेनानी परिवारों को मनोनीत करने, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार कल्याण परिषद का गठन करने, स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को विशेष पहचान देकर ऑनलाइन परिचय पत्र प्रदान करने, स्वतंत्रता सेनानी के निधन के बाद उनकी सम्मान पेंशन की धनराशि तथा सुविधा सेनानी परिवारों को हस्तांतरित करके जरूरतमंद सेनानी परिवारों को वित्तीय सहायता का प्रावधान करने, पाठ्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों शहीदों की जीवनी को शामिल किए जाने, स्वतंत्रता सेनानी की मान्यता देने वाले 1980 की नियमावली में संशोधन करके केन्द्र तथा राज्य सरकारों के स्वतंत्रता सेनानियों की असमानता की खाई पाटने तथा दिल्ली में स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों के लिए सेवा सदन बनाने का आग्रह किया था, किन्तु आज हमें अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि प्रधानमंत्री को 4 अगस्त 2022 तथा 4 अक्टूबर 2022 को भी स्मरण पत्र भेजने के बावजूद सरकार द्वारा कोई सार्थक कदम नहीं उठाया गया, इससे देश भर के लगभग चार करोड़ स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों के उत्तराधिकारियों में बेहद नाराजगी और आक्रोश उत्पन्न हो रहा है आखिर कब तक अपमान सहेंगे स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवार?

वहीं इस पत्रकार वार्ता में संगठन के अध्यक्ष देशबंधु ने कहा कि हम अपने पूर्वजों के सपनों को साकार करने में सरकार के सहयोगी के रूप में भूमिका निभाना चाहते हैं किन्तु सरकार की उपेक्षा से इतना विशाल परिवार मर्माहत है, फिर भी हम सेनानी परिवारों से निवेदन करते हैं कि हमें भ्रमित नहीं होना चाहिए। स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिवारों के हितों की रक्षा करने में सहयोगी की भूमिका निभाने वाले जनप्रतिनिधियों को ही अपना समर्थन देकर विधानसभाओं तथा संसद तक पहुंचना चाहिए। यह संगठन गैर राजनीतिक है, परन्तु स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सपनों को पूरा करने वाली सरकारों को ही मजबूत करना होगा। श्री सुरेश चन्द्र सुयाल ने सेनानी परिवारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि माँ गंगा के प्रवाह के साथ हरिद्वार से निकली सेनानी परिवारों की गूँज पूरे देश के सेनानी परिवारों को सम्मान दिलाएगी।

प्रेस वार्ता को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत भूषण विद्यालंकार, संगठन सचिव कपूर सिंह दलाल, सुरेश चंद्र सुयाल, छत्तीसगढ़ के मुरली मनोहर खंडेलवाल, चंद्रप्रकाश बाजपेई, उत्तरप्रदेश के मृगांक शेखर आनंद, रमेश कुमार मिश्रा, राजस्थान के विशाल सिंह सौदा, पंजाब के परमजीत सिंह टिवाना, ज्ञान सिंह सग्गू, मध्यप्रदेश के डॉ. राजा भैया मिश्रा, कमल अग्रवाल, सुनील गुजराती, बिहार के अशोक कुमार वर्मा, झारखंड के ओमप्रकाश मांझी, दिल्ली के विजय कुमार तोमर, हरियाणा के भगवान फोगाट, महाराष्ट्र के सचिन कुमार, तमिलनाडु के सुंदर विमलनाथन, कर्नाटक के सिंगू रमेश तथा ने भी संबोधित किया।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस महत्वपूर्ण बैठक में देश के विभिन्न प्रान्तों से राजेश प्रताप सिंह, महंथ प्रजापति, सूर्य प्रकाश पांडे, सुरेश चंद्र बबेले, भगवत शरण पशतोर, ज्ञान सिंह सग्गू, शिवयोगैया, बिजेन्द्र भादू, अरुण प्रताप सिंह, रवि दत्त राय, मदन मोहन राय, अनुराग सिंह गौतम, आदित्य गहलोत, अवधेश सिंह, वीरांगना चन्नाबेसम्मा तथा अलका चौहान आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

मॉर्निंग वॉक पर निकली बुर्जुग महिला से बदमाश ने लूटी चेन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। बाइक सवार अज्ञात बदमाश ने रविवार की सुबह शिवालिक नगर की पॉश कॉलोनी में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला से चेन झपट ली। महिला ने बदमाश को पकड़ने के लिए शोर मचाया, लेकिन बदमाश मौके से फरार हो गया। चेन लूट की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, घटना शिवालिक नगर के लीलावती हॉस्पिटल के पास की है। जहां 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला राधा के गले से बाइक सवार नकाबपोश युवक ने सोने की चेन झपट ली। महिला का शोर सुनकर स्थानीय लोग दौड़े लेकिन तब तक बदमाश वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर रानीपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी कर तुरंत चेकिंग अभियान शुरू करा दिया। फिलहाल चेन लूटने वाले बदमाश को कोई सुराग नहीं लगा है।

आयकर रिटर्न भरने की सोमवार को आखिरी तारीख

नयी दिल्ली। आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की सोमवार को आखिरी तारीख है और ऐसे में आयकर विभाग ने लोगों को अंतिम समय में संभावित परेशानी से बचने के लिए आज ही अपना रिटर्न भरने की सलाह दी है।

विभाग ने सोशल मीडिया के माध्यम से रविवार को बताया कि अपना आयकर रिटर्न आज ही दाखिल करें। अक्सर देखा जाता है कि जब बड़ी संख्या में लोग अंतिम समय में लॉगइन करते हैं तो सर्वर हैंग होने या प्रक्रिया धीमी होने की शिकायत आती है।

उल्लेखनीय है कि आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख फिलहाल 15 सितंबर है। इसके बाद रिटर्न भरने पर पांच लाख तक की कुल आय वालों को एक हजार रुपये और उससे अधिक की आय वालों को पांच हजार रुपये का जुर्माना देना होगा।

आयकर विभाग ने शनिवार को बताया था कि अब तक छह करोड़ से अधिक लोगों ने रिटर्न भरा है। आकलन वर्ष 2024-25 में 7.28 करोड़ करदाताओं ने आयकर रिटर्न भरा था।

विभाग ने छह करोड़ का आंकड़ा पार करने के लिए करदाताओं और कर पेशेवरों को धन्यवाद दिया है।

आपदा पीड़ितों की मदद को आगे आएंगे साधु-संत, अर्द्धकुंभ पर चर्चा अगली बैठक में

पथ प्रवाह, हरिद्वार। साधु संतों ने रविवार को 2027 अर्द्धकुंभ मेले की तैयारियों को लेकर निरंजनी अखाड़े में महत्वपूर्ण बैठक की। हालांकि श्राद्ध पक्ष के चलते मेले के स्वरूप और तारीखों को लेकर कोई चर्चा नहीं हो सकी। इस बैठक में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी, महामंत्री श्रीमहंत हरिगिरी महाराज, पूर्व अध्यक्ष बलवंत सिंह महाराज सहित अनेक साधु-संत उपस्थित रहे।

बैठक में उत्तराखंड में लगातार आ रही प्राकृतिक आपदाओं को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की गई। साधु-संतों ने आपदा में मृतकों की आत्मशांति की प्रार्थना करते हुए घोषणा की कि सभी अखाड़े आपदा प्रभावित क्षेत्रों में सहयोग के लिए आगे आएंगे। संतों ने निर्णय लिया कि आपदा पीड़ितों की मदद के लिए दान राशि एकत्रित कर मुख्यमंत्री को सौंपी जाएगी।

महामंत्री श्रीमहंत हरिगिरी महाराज ने कहा कि वर्तमान में श्राद्ध पक्ष चल रहे हैं, इसलिए अर्द्धकुंभ मेले की घोषणा पर कोई विमर्श नहीं हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्राद्ध पक्ष समाप्त होने के बाद अखाड़ा परिषद की अगली बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सभी अखाड़ों के साधु-संतों को आमंत्रित किया जाएगा और अर्द्धकुंभ मेले की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। बैठक में यह भी तय हुआ कि पहाड़ों में सड़क, शिक्षा और चिकित्सा को लेकर साधु-संत सरकार की मदद करेंगे। संतों ने कहा कि यदि सरकार चाहे तो साधु-संत सड़क, कॉलेज और अस्पताल बनाने में सहयोग करेंगे।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि उत्तराखंड इस समय गंभीर आपदा से जूझ रहा है। जान-माल की भारी क्षति हुई है। केंद्र और राज्य सरकार राहत व बचाव कार्य में जुटी हैं, लेकिन यह सभी का दायित्व है कि आपदा पीड़ितों की मदद की जाए।

इसी भावना से साधु-संत भी आगे आए हैं। बैठक में शामिल प्रमुख संतों में श्रीमहंत रामरतन गिरि, श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज, श्रीमहंत बलवंत सिंह, महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद, रविपुरी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरि, श्रीमहंत मोहन भारती महाराज, श्रीमहंत शैलेन्द्र गिरि, महेश पुरी महाराज, मंत्री श्रीमहंत ओम भारती महाराज, महामंडलेश्वर वीरेंद्रानंद गिरी महाराज, महाकाल गिरि महाराज समेत अनेक संत मौजूद रहे।

गुरुकुल समविश्वविद्यालय में हिंदी और अभियंता दिवस पर वक्ताओं ने रखे विचार

पथ प्रवाह,

गुरुकुल समविश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा पंडित लेखराम इंजीनियरिंग हॉस्टल में हिंदी दिवस और अभियंता दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत यज्ञ से हुई, जिसका नेतृत्व डॉ. विपिन बालियान ने किया।

वार्डन डॉ. देवेंद्र सिंह ने सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और इस पर गर्व करना हम सबका कर्तव्य है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मयंक पोखरियाल ने अभियंता दिवस एवं हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें इंडिजीनियस

के मंत्र के माध्यम से उन्नत तकनीकी का निर्माण कर विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने छात्रों को युवा कार्यक्रम मंत्रालय द्वारा आयोजित विकसित भारत क्विज प्रतियोगिता के जानकारी भी दी।

इंजीनियरिंग संकाय के एलुमनी सौरभ तिवारी ने छात्रों को जीवन में तकनीकी दक्षता के साथ-साथ सामाजिक समस्याओं के समाधान और राष्ट्र निर्माण में अभियंताओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देश के प्रतिष्ठित श्रमवीर अवॉर्डी एवं विश्वकर्मा अवॉर्डी घसीटू राम रहे, जिन्होंने अपने जीवन के प्रेरणादायी अनुभव छात्रों के साथ साझा किए। साथ ही टाटा स्ट्राइव प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर दीपक शर्मा ने छात्रों को टोटल प्रोडक्टिव मैनेजमेंट की महत्ता समझाई।

संकायाध्यक्ष प्रो. विपुल शर्मा ने एनएसएस स्वयंसेवकों, छात्रों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर हॉस्टल वार्डन डॉ. संजय सिंह, अनुज बालियान, विनोद शर्मा समेत 200 से अधिक छात्र-छात्राएँ एवं एनएसएस स्वयंसेवक-अमृत, हर्ष, अंकित, ऋषव, ध्रुव, नितिन-सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

हरिद्वार बस अड्डा, कॉरिडोर और जान्हवी मार्केट के मुददे पर व्यापारी आक्रोषित

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार के व्यापारियों ने रविवार को भूपतवाला स्थित कुमार भवन कुम्हार धर्मशाला में एक बड़ी बैठक आयोजित कर प्रशासन के रवैये पर कड़ा रुख अपनाया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बस अड्डा स्थानांतरण, कॉरिडोर और जान्हवी मार्केट को लेकर प्रशासन द्वारा पैदा किए जा रहे भ्रम को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। व्यापारियों ने मांग उठाई कि इन मुद्दों पर प्रशासन तुरंत स्पष्ट और ठोस बयान जारी करे। बैठक में मौजूद विभिन्न व्यापार मंडलों के पदाधिकारियों ने कहा कि लगातार हो रही बयानबाजी और अटकलों के चलते व्यापारी वर्ग मानसिक रूप से परेशान है। इससे न केवल कारोबार प्रभावित हो रहा है, बल्कि व्यापारी समुदाय में असुरक्षा और अविश्वास का माहौल भी बन गया है।

व्यापारियों के साथ छल नहीं- डॉ. विशाल गर्ग

बैठक को संबोधित करते हुए व्यापारी नेता डॉ. विशाल गर्ग ने कहा कि हरिद्वार का व्यापारी सदैव शासन और प्रशासन का सहयोग करता आया है। लेकिन अब यदि व्यापारियों के अधिकारों और हितों पर आंच आई तो यह लड़ाई संगठित होकर लड़ी जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और जिलाधिकारी से मुलाकात कर इन मुद्दों पर सीधी बातचीत करेगा। डॉ. गर्ग ने सभी व्यापारियों से अपील की कि किसी भी अफवाह, बयानबाजी या अटकलबाजी पर ध्यान न दें और पूरी मजबूती से संगठित रहें।

व्यापारी नेताओं का आक्रोश

बैठक में व्यापारी नेता प्रवीण शर्मा और मयंक मूर्ति भट्ट ने कहा कि बस अड्डा शहर से बाहर शिफ्ट करने, कॉरिडोर और जान्हवी मार्केट को लेकर प्रशासन की चुप्पी व्यापारी वर्ग के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि जब तक इन सवालों पर स्पष्ट संदेश नहीं दिया जाएगा, तब तक व्यापारी वर्ग असमंजस में रहेगा। तेज प्रकाश साहू, आदेश मारवाड़ी और योगेश भारद्वाज ने कहा कि प्रशासन की तरफ से ठोस जानकारी न मिलने से व्यापारी निराश और परेशान हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो व्यापारी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

कुंभ से पहले व्यापारियों को भरोसा जरूरी

शिवकुमार कश्यप ने कहा कि आगामी कुंभ मेला हरिद्वार की आर्थिक और धार्मिक धरोहर है। ऐसे समय में जब हरिद्वार का व्यापारी वर्ग निर्णायक भूमिका निभाता है, प्रशासन को व्यापारियों के बीच आकर सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। कनखल क्षेत्र के व्यापारियों ने भी दक्ष मंदिर, झंडा चौक और सतीघाट मार्ग से जुड़े मामलों पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

बैठक में बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित

बैठक में प्रवीण शर्मा, मनोज सिरोही, शिवकुमार कश्यप, तेज प्रकाश साहू, बादल गोस्वामी, योगेश भारद्वाज, डॉ. विशाल गर्ग, अजय दीपक गुप्ता, रामकिशोर, अनुज गुप्ता, पारस जैन, आदेश मारवाड़ी, संतोष गुप्ता, विमल सक्सेना, मयंक मूर्ति भट्ट, विशाल मूर्ति भट्ट, निशा गुप्ता, विवेक गुप्ता, हरीश व अश्वनी कुमार समेत बड़ी संख्या में व्यापारी नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

सांसद खेल महोत्सव युवाओं में राष्ट्रीय चेतना जगाने का एक महाअभियान है: त्रिवेन्द्र

पथ प्रवाह, हरिद्वार। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के फिट इंडिया मूवमेंट के तहत देश भर में सांसद खेल महोत्सव-2025 का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की सफलता को लेकर सांसद हरिद्वार एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में युवा कल्याण, खेल विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग, मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय एवं भाजपा पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक का मुख्य विषय महोत्सव की तैयारियां और उसमें अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि 29 अगस्त 2025 को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर हरिद्वार से इस महोत्सव के पंजीकरण अभियान का शुभारंभ किया गया था। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता न होकर युवा शक्ति को दिशा देने और राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प है। 21 सितम्बर से आयोजन न्याय पंचायत, विधानसभा और संसदीय स्तर पर होगा। प्रतियोगिता में अंडर-17 और 17+ कैटेगरी के महिला /पुरुष खिलाड़ी भाग लेंगे। सांसद ने निर्देशित किया कि 20 सितम्बर तक जिला हरिद्वार के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय और महाविद्यालय से न्यूनतम 10 प्रतिभागियों का पंजीकरण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। उनके द्वारा हरिद्वार जिले के लगभग 2400 विद्यालयों से सहभागिता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सभी खिलाड़ी sansadkhelma-hotsav.in पोर्टल पर जाकर एकल और टीम दोनों रूपों में अपना पंजीकरण 20 सितम्बर तक करा सकते हैं। सांसद ने कहा कि युवा कल्याण, खेल विभाग, पंचायत विभाग, शिक्षा विभाग एवं मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय की सक्रिय और समन्वित भूमिका से ही इस आयोजन को भव्यता और सफलता मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे वर्तमान मौसम की स्थिति को देखते हुए वर्चुअल माध्यमों से भी छात्रों को प्रेरित करें और जन-जन तक महोत्सव का संदेश पहुंचकर अधिकाधिक रजिस्ट्रेशन करवाएं।

सांसद ने विशेष रूप से स्थानीय व लोकप्रिय खेलों जिसमें कबड्डी, एथलेटिक्स (400 मी./ 200 मी.), वॉलीबॉल, पिट्ठू, खो-खो, रस्साकशी, फुटबॉल आदि को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन खेलों का उद्देश्य युवाओं को शारीरिक रूप से सशक्त बनाना, टीम भावना विकसित करना और नशे की प्रवृत्ति से दूर रखना है। सांसद श्री रावत ने कहा कि यह केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं में ऊर्जा, अनुशासन और राष्ट्रीय चेतना जगाने का एक महाअभियान है। यह प्रयास आगामी ओलंपिक में भारत की गौरवपूर्ण भागीदारी का मार्ग प्रशस्त करेगा और फिट इंडिया मूवमेंट के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

हरिद्वार का नासूर बनती भिक्षावृति

पथ प्रवाह, संवाददाता, सिद्धार्थ त्रिपाठी

तीर्थ नगरी हरिद्वार में भिखारियों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। सुबह सवेरे से ही गंगा घाटों पर भिखारियों का जमावड़ा लगना शुरू हो जाता है। सारा दिन ये आने जाने वाले तीर्थ यात्रियों को परेशान करते रहते है। यदि एक यात्री कुछ दान करना चाहे तो भिखारियों की टोली उस पर ऐसे टूट पड़ती है मानो उसका सबकुछ छीन कर ही छोड़ेगे।

हरिद्वार में भिक्षावृति कई कारणों से बढ़ती जा रही है, जिसमें नशे की लत, गरीबी, और संगठित अपराध शामिल हैं, जिस वजह से यह तीर्थयात्रियों और पर्यटकों से पैसे ऐंठकर शहर के पर्यटन और छवि को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही है। नशे के कारोबार करने वाले लोग बच्चों को भी इस धंधे में शामिल कर लेते हैं, और अक्सर भीख मांगने वालों से नशा तस्करी भी कराते हैं।

उत्तराखंड देश के उन 22 राज्यों में शामिल हैं, जहां भिक्षावृत्ति के खिलाफ

कानून लागू हो चुका है। इसके बाद भी हरिद्वार में भिक्षावृत्ति के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। हरकी पैड़ी के अलावा मंसा देवी, चंडी देवी, मायादेवी, दक्ष मंदिर और सतीघाट पर भिखारियों की भीड़ श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बनती हैं। हरकी पैड़ी पर कपड़े पैसे आदि बांटने पर भिखारी कई बार श्रद्धालुओं के साथ मारपीट तक कर देते है और कई बार आपस में ही मारपीट शुरू कर देते हैं। इतना ही नहीं मौका मिलने पर यह लोग यात्रियों के सामान और जेब पर भी हाथ साफ कर देते है। भिखारियों के कारण धर्मस्थलों पर अव्यवस्थाएं हावी हो रही हैं। आपको बता दें भिक्षावृत्ति पर 2017 में हाईकोर्ट के हस्तक्षेप पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उत्तराखंड में भीख मांगने पर प्रतिबंध लगाने के लिए उ.प्र. भिक्षावृत्ति निवारण अधिनियम बनाया गया। यह कानून पुलिस को सड़कों पर भीख मांग रहे लोगों को गिरफ्तार करने का अधिकार देता है। इस अधिनियम के अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों पर भीख मांगते या देते हुए पकड़े जाने पर यह अपराध की श्रेणी में होगा। इसमें बगैर वारंट गिरफ्तारी भी हो सकती है। दूसरी बार अपराध सिद्ध होने पर सजा की अवधि पांच साल तक हो सकती है। निजी स्थलों पर भिक्षावृत्ति की लिखित और मौखिक शिकायत पर अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई का प्राविधान है। नाम के लिए कानून तो बना लेकिन भिक्षावृत्ति पर रोक नहीं लग पायी और यह समस्या आज भी उसी तरह से सिर उठाएं खड़ी है तथा समय के साथ विकराल रूप धारण करती जा रही है।

स्थानीय कवियों को मिला संवाद काव्यश्री सम्मान, विद्वानों ने रखे विचार

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हिंदी दिवस के अवसर पर रविवार को सत्या फाउंडेशन की ओर से प्रेस क्लब हरिद्वार में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विषय था - ÷कब और कैसे बनेगी हिंदी, हिंद की राष्ट्रभाषा÷। कार्यक्रम में शहर के साहित्यकारों, कवियों और समाजसेवियों की उपस्थिति रही।

इस दौरान स्थानीय कवियों को ÷संवाद काव्यश्री सम्मान÷ से सम्मानित किया गया। साथ ही वरिष्ठ समाजसेवियों और महिला शक्तियों को भी उनकी सामाजिक व सांस्कृतिक सेवाओं के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के अध्यक्ष दीपक पंवार के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि भारतीयता की पहचान है। इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए

सामूहिक प्रयास जरूरी हैं।

मुख्य अतिथि उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र शास्त्री ने अपने संबोधन में कहा कि जब तक हिंदी को शिक्षा, प्रशासन और तकनीकी क्षेत्रों में प्राथमिकता नहीं मिलेगी, तब तक यह राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित नहीं हो पाएगी।

प्रमुख वक्ता उत्तराखंड संस्कृत अकादमी के सचिव डॉ. वाज श्रवा आर्य ने कहा कि हिंदी के विकास में समाज की सक्रिय भागीदारी सबसे अहम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें हिंदी को केवल किताबों और मंचों तक सीमित न रखकर जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी ने हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियों और उसकी व्यापक संभावनाओं पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता जनमानस की आवाज़ है और इसे और मजबूत करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक देवी सिंह राणा ने की।

उन्होंने कहा कि हिंदी जन-जन की भाषा है और इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए हमें भावनात्मक और व्यावहारिक दोनों स्तरों पर जुड़ना होगा। गोष्ठी में बड़ी संख्या में साहित्यकार, कवि और समाजसेवी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन संयोजक मंडल के सदस्यों ने किया।

संपादकीय

भारत की डिजिटल क्रांतिः परिवर्तन का एक दशक और भावी योजना

पिछले एक दशक में भारत में एक ऐसी डिजिटल क्रांति आई है जो असाधारण है। जो प्रक्रिया लक्षित प्रौद्योगिकीय अंतःक्षेपों की एक श्रृंखला के रूप में शुरू हुई थी वह अब एक व्यापक परिवर्तन के रूप में विकसित हो चुकी है, जो भारतीय जीवन के लगभग हर पहलू जैसे अर्थव्यवस्था, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, वाणिज्य, और देश के कोने-कोने में बसे किसानों और छोटे उद्यमियों के जीवन को भी प्रभावित कर रही है।

यह यात्रा आकस्मिक नहीं थी। इसे भारत सरकार द्वारा ठोस नीति निर्धारण, अंतरमंत्रालयी सहयोग, और समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है। जब संबद्ध मंत्रालयों जैसे इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), वित्त मंत्रालय (एमओएफ), कृषि मंत्रालय, और अन्य मंत्रालयों ने बड़े पैमाने में ज़मीनी स्तर पर परियोजनाओं को पूरा किया, तो दूसरी ओर नीति आयोग ने अभिसरण को बढ़ावा देकर, विचारों को नेतृत्व देकर, और स्केलेबल, नागरिक-प्रमुखता वाले नवाचारों की ओर प्रणाली को प्रेरित कर नीति इंजन का काम किया है।

जन धन-आधार-मोबाइल (जेएएम) ट्रिनिटी की शुरुआत के साथ इसमें एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। लगभग 55 करोड़ बैंक खातों के खोलने के साथ-साथ, करोड़ों लोगों को, जो पहले वित्तीय प्रणाली की पहुंच से बाहर थे, उन्हें अकस्मात बैंकिंग व्यवस्था और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक पहुंच प्राप्त हुई है। ओडिशा के एक छोटे से गांव में पहली बार बिना बिचौलिए की सहायता से एक सिंगल मदर को कल्याणकारी लाभ सीधे उनके खाते में प्राप्त करने में सक्षम बनाया गया। उनकी कहानी भारत भर के करोड़ों लोगों की कहानी बन गई है। यह वृहद वित्तीय समावेशन आंदोलन वित्त मंत्रालय के समर्थन और आधार तथा मोबाइल पैठ की सक्षम सहायता से अगला कदमः एक वित्तीय-प्रौद्योगिकी विस्फोट का आधार बना।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के मार्गदर्शन में विकसित एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (यूपीआई) ने भारतीयों के लेन-देन के तरीके में क्रांति ला दी है। किसी मित्र को पैसे भेजने के एक अनूठे तरीके के रूप में शुरू किया गया यह तरीका शीघ्र ही छोटे व्यवसायों, सब्ज़ी विक्रेताओं और गिग वर्कर्स की जीवनरेखा बन गया। आज, भारत में प्रति माह 17 बिलियन से अधिक यूपीआई के माध्यम से लेनदेन होते हैं, और यहाँ तक कि सड़क किनारे के विक्रेता वाले भी एक साधारण क्यूआर कोड के ज़रिए डिजिटल भुगतान स्वीकार कर रहे हैं।

इसी दौरान, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारत के डिजिटल अवसंरचना के मुख्य तंत्र को धीरे-धीरे और निरंतरता से तैयार किया जा रहा है। भारतनेट जैसी परियोजनाओं ने दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों तक ब्रॉडबैंड पहुँचाया है, जबकि इंडिया स्टैक ने कागज़-रहित, उपस्थिति-रहित और नकदी-रहित सेवाओं का ढाँचा तैयार किया। डिजी-लॉकर ने छात्रों को अपने प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में रखने, और ई-हस्ताक्षर ने महत्वपूर्ण दस्तावेज़ों के लिए दूरस्थ प्रमाणीकरण प्रदान किया। डिजी-यात्रा एक अग्रणी पहल है जो चेहरे के पहचान की तकनीक का उपयोग करके निर्बाध, कागज़-रहित और संपर्क-रहित हवाई यात्रा को संभव बनाती है। यह त्वरित चेक-इन, बेहतर यात्री अनुभव और बेहतर हवाई अड्डे की क्षमता में सुधार सुनिश्चित करती है, साथ ही विकेंद्रीकृत पहचान प्रबंधन के माध्यम से डेटा गोपनीयता की सुरक्षा भी करती है। यह भारतीय विमानन के भविष्य की तैयारी और यात्री-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ये मात्र ऐप ही नहीं हैं - ये एक डिजिटल गणराज्य की आधारशिला हैं। डिजिटल गवर्नेंस ने भी गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) के शुभारंभ के साथ बड़ी उछाल लगाई है। सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए डिज़ाइन किए गए, जेम ने 1.6 लाख से अधिक सरकारी क्रेताओं को 22 लाख से अधिक विक्रेताओं से जोड़ा है - जिसमें महिला उद्यमियों और एमएसएमई की बढ़ती संख्या शामिल है। राजस्थान के एक छोटे हस्तशिल्प विक्रेता के लिए, इसका अभिप्राय सरकारी संविदाओं तक पहुंच प्रदान करना था जो पहले अकल्पनीय था। कृषि क्षेत्र, जिसे प्रायः परिवर्तन के प्रतिरोधी के रूप में देखा जाता है, ने भी डिजिटल साधनों को अपनाना शुरु कर दिया है। पीएम-किसान जैसे प्लेटफॉर्म ने यह सुनिश्चित किया कि आय सहायता किसानों तक सीधे पहुँचे।

'इंजीनियर्स डे' पर विशेष

इतिहास के पन्नों में दर्ज हुई उपलब्धियां - डॉ. मोक्ष गुंडम विश्वेश्वरैया

पथ प्रवाह, संवाददाता, धीरज शर्मा

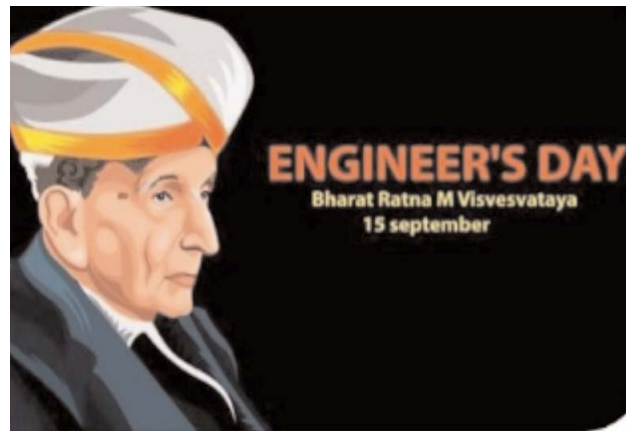

भारत में हर साल 15 सितंबर को ÷इंजीनियर्स डे÷ मनाया जाता है। यह दिन भारत के महानतम इंजीनियर्स में से एक, सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को समर्पित है। कर्नाटक के मैसूर जिले के एक छोटे से गांव चिक्काबल्लापुर में 15 सितंबर 1861 को जन्मे विश्वेश्वरैया ने सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को अपनी इंजीनियरिंग प्रतिभा का लोहा मनवाया।

विश्वेश्वरैया ने कृष्णा राज सागर बांध जैसी विशाल सिंचाई परियोजनाओं का निर्माण करके भारत के कृषि क्षेत्र को नई ऊंचाइयां दी। उन्होंने जल विद्युत उत्पादन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अलावा, उन्होंने शहरों के नियोजन और शहरी विकास में भी अहम भूमिका निभाई। भारत सरकार ने उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें भारत रत्न से भी सम्मानित किया। इस दिन देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिनमें व्याख्यान, प्रदर्शनियां और पुरस्कार समारोह शामिल हैं। इसका उद्देश्य युवाओं को इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करना और इंजीनियरों के योगदान को पहचानना है। विश्वेश्वरैया ने कहा था, एक इंजीनियर का काम सिर्फ मशीनें बनाना नहीं है, बल्कि एक बेहतर समाज का निर्माण करना है। उनके इस विचार को हम सभी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

एक तेलुगु परिवार में जन्मे विश्वेश्वरैया ने अपनी शुरुआती शिक्षा अपने गांव में ही प्राप्त की। बचपन से ही उनकी जिज्ञासा और सीखने की ललक देखते बनती थी। वे अक्सर गांव के पुराने कुओं और तालाबों को देखकर सोचते रहते थे कि इनका निर्माण कैसे हुआ होगा।गांव में शुरुआती पढ़ाई पूरी करने के बाद, विश्वेश्वरैया ने बैंगलोर से बीए की डिग्री हासिल की। इसके बाद, इंजीनियरिंग के प्रति उनके जुनून को पूरा करने के लिए उन्होंने पुणे के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में दाखिला लिया।

उस समय इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना आसान नहीं था, लेकिन विश्वेश्वरैया ने अपनी मेहनत और लगन से सभी चुनौतियों का सामना किया। पुणे में उन्होंने न केवल इंजीनियरिंग के बुनियादी सिद्धांतों को सीखा, बल्कि कई व्यावहारिक परियोजनाओं में भी भाग लिया।कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद, विश्वेश्वरैया ने बॉम्बे में लोक निर्माण विभाग में नौकरी की। यहां उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में अहम भूमिका निभाई। एम. विश्वेश्वरैया के देश के प्रति किए गए महान कार्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए भारत सरकार ने 15 सितंबर 1968 में उनके जन्मदिन को इंजीनियर्स डे के तौर पर मनाने का एलान किया था। यही वजह है कि हर साल उनके जन्मदिन को इंजीनियर्स डे के रूप में मनाया जाता है।

डॉ. मोक्ष गुंडम विश्वेश्वरैया सिर्फ एक इंजीनियर ही नहीं थे, बल्कि एक दूरदर्शी थे जिन्होंने भारत के विकास में अहम भूमिका निभाई। उनकी कई उपलब्धियां आज भी देश के विकास के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। विश्वेश्वरैया को उनके असाधारण योगदान के लिए 1955 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। ब्रिटिश सरकार ने भी उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें नाइटहुड की उपाधि से सम्मानित किया था। विश्वेश्वरैया का निधन 14 अप्रैल, 1962 को हुआ, लेकिन उनकी विरासत आज भी हमारे बीच जीवित है। उनके द्वारा बनाए गए बांध, कारखाने और शिक्षण संस्थान आज भी देश के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

देश के विकास में इंजीनियरों की अहम भूमिका है

संजय गोस्वामी

भारत में इंजीनियर्स डे हर साल 15 सितंबर को मनाया जाता है इसे अभियंता दिवस भी कहते हैं. इस दिन देश में जगह-जगह कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता है. यह दिन भारत रत्न से सम्मानित महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर समर्पित है. भारत हर साल 15 सितंबर को राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे मनाता है. यह दिन भारत रत्न से सम्मानित महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर समर्पित है. उन्होंने सिंचाई, बांध, बुनियादी ढांचे और आर्थिक योजनाओं में अद्भुत योगदान दिया. यही वजह है कि यह दिन भारत के साथ-साथ श्रीलंका और तंजानिया में भी मनाया जाता है. इस दिन देश में जगह-जगह कार्यक्रमों को आयोजन किया जाता हैसर एम विश्वेश्वरैया का जन्म- 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक में हुआ था और वह बाढ़ प्रबंधन और सिंचाई तकनीक के विशेषज्ञ माने जाते थे. उन्होंने पुणे के कॉलेज ऑफ साइंस से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया. भारत सरकार ने उन्हें 1955 में भारत रत्न और ब्रिटिश सरकार ने Knighthood Award से सम्मानित किया. उनकी जयंती को 1967 से राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे के रूप में मनाना शुरू किया गया.भारत में इंजीनियर्स दिवस की शुरुआत 1968 में हुई थी, जब भारत सरकार ने सर एम. विश्वेश्वरैया के उल्लेखनीय जीवन और उपलब्धियों के स्मरणोत्सव के लिए 15 सितंबर को एक दिन के रूप में घोषित किया था। 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक के मुद्देनहल्ली में जन्मे सर विश्वेश्वरैया को भारतीय इंजीनियरिंग के जनक के रूप में दुनिया भर में पहचान मिली। उनके नवाचारों–जैसे पेटेंट प्राप्त स्वचालित फ्लडगेट और कृष्णराज सागर बांध का डिज़ाइन–ने भारत के बुनियादी ढाँचे और जल प्रबंधन प्रणालियों को बदल दिया। 1912 से 1918 तक मैसूर के दीवान के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने लोक निर्माण, शिक्षा और औद्योगीकरण में योगदान दिया। यह वार्षिक उत्सव न केवल उनकी विरासत का सम्मान करता है, बल्कि देश के विकास में इंजीनियरिंग पेशे के महत्वपूर्ण महत्व को भी उजागर करता है। अपनी प्रारंभिक पढ़ाई चिक्काबल्लापुर में करने के बाद वे बैंगलोर चले गए। 1881 में बैंगलोर से बी.ए. की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद पुणे के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के बाद वे बॉम्बे प्रेसीडेंसी के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (PWD) से जुड़े। मशहूर है ट्रेन का दिलचस्प किस्सा उनके जीवन से जुड़ा एक प्रसंग बेहद मशहूर है। एक बार ट्रेन से सफर के दौरान अंग्रेज यात्री एक भारतीय का मजाक उड़ा रहे थे। तभी उस भारतीय ने अचानक ट्रेन की चेन खींच दी। सभी नाराज हो गए, लेकिन उसने कहा कि पटरियों में गड़बड़ी है। जांच हुई तो सचमुच कुछ दूरी पर पटरी टूटी हुई मिली। यह शख्स और कोई नहीं बल्कि सर एम. विश्वेश्वरैया ही थे। इंजीनियर्स दिवस 2025 का मुख्य विषय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग निकायों द्वारा इस दिवस के करीब घोषित किया जाएगा। परंपरागत रूप से, हर साल की थीम इंजीनियरिंग क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों और आकांक्षाओं को संबोधित करती है–उदाहरण के लिए, एक सतत भविष्य के लिए इंजीनियरिंग या एक बेहतर भारत के लिए इंजीनियर। 2025 की थीम इंजीनियरिंग में स्थिरता, डिजिटल नवाचार और युवा नेतृत्व पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जो इंजीनियरों और छात्रों को भारत के तकनीकी विकास और सामाजिक परिवर्तन की अगली लहर का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। सर एम. विश्वेश्वरैया की प्रतिमाओं और स्मारकों पर श्रद्धांजलि समारोह और पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी इंजीनियरिंग कॉलेजों और व्यावसायिक संस्थानों द्वारा आयोजित सेमिनार, व्याख्यान और वेबिनार सर विश्वेश्वरैया के योगदान पर केंद्रित स्कूल और कॉलेज स्तर की निबंध, प्रश्नोत्तरी और पोस्टर प्रतियोगिताएँ से शिक्षा, तकनीकी नवाचार और नैतिक इंजीनियरिंग को बढ़ावा देने वाले सरकारी और गैर-लाभकारी अभियान को बढ़ावा मिलता है . विश्वेश्वरैया इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपुर उन्ही के नाम पर एक अच्छा एनआईटी कॉलेज है इंजीनियर्स डे है के दिन डिजिटल पोस्टर शेयरिंग के साथ सोशल मीडिया जागरूकता इंजीनियरिंग की सामाजिक भूमिका पर विचार करते हुए लेख, विशेष फीचर और भाषणों का प्रकाशन प्रेरक उद्धरण और नारे लगाए जाते हैं एम. ??विश्वेश्वरैया ने कहा था याद रखें, आपका काम सिर्फ़ रेलवे क्रॉसिंग की सफाई करना हो सकता है, लेकिन यह आपका कर्तव्य है कि आप इसे इतना साफ़ रखें कि दुनिया का कोई भी दूसरा क्रॉसिंग आपके क्रॉसिंग जितना साफ़ न रहे।

पतन से प्रगति तक–पीएम मोदी कैसे गढ़ रहे हैं नया शहरी भारत?

हरदीप सिंह पुरी

रोम एक दिन में नहीं बना था, वैसे ही नया शहरी भारत भी एक दिन में नहीं बनेगा। लेकिन जब हम अपने शहरों से और अधिक की अपेक्षा करते हैं, तो हमें यह भी देखना चाहिए कि हम पहले ही कितनी दूरी तय कर चुके हैं? आजादी के दशकों बाद तक, भारत के शहर एक उपेक्षित विचार थे। नेहरू की सोवियत शैली की केंद्रीकृत सोच ने हमें शास्त्री भवन और उद्योग भवन जैसे कंक्रीट के विशाल भवन दिए, जो 1990 के दशक तक ही ढहने लगे थे और सेवा के बजाय नौकरशाही के स्मारक बनकर रह गए।

2010 के दशक तक दिल्ली की हालत बहुत खराब थी। सड़कों पर गड्ढे थे, सरकारी इमारतें पुरानी, बदरंग और टपकती छतों वाली थीं और एनसीआर की बाहरी सड़कों पर हमेशा जाम लगा रहता था। एक्सप्रेसवे बहुत कम थे, मेट्रो कुछ ही शहरों तक सीमित थी और बुनियादी ढांचा तेजी से टूट-फूट का शिकार हो रहा था। दुनिया का नेतृत्व करने का सपना देखने वाले देश की राजधानी उपेक्षा और बदहाल स्थिति का प्रतीक बन चुकी थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात को बदल दिया। उन्होंने शहरों को बोझ नहीं माना, बल्कि उन्हें विकास के इंजन और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक बनाया। यह बदलाव आज हर जगह दिखाई देता है। सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण ने कर्तव्य पथ को जनता की जगह बना दिया, नई संसद को भविष्य के अनुरूप संस्थान में बदल दिया और कर्तव्य भवन को सुचारु प्रशासनिक केंद्र बना दिया। जहां पहले जर्जर हालत थी, वहां अब महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास दिखता है। इस बदलाव का पैमाना आंकड़ों से समझा जा सकता है। 2004 से 2014 के बीच शहरी क्षेत्र में केंद्र सरकार का कुल निवेश लगभग ?1.57 लाख करोड़ था। 2014 के बाद से यह 16 गुना बढ़कर लगभग ?28.5 लाख करोड़ हो गया है। 2025-26 के बजट में ही आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को ?96,777 करोड़ दिए गए, जिसमें एक-तिहाई हिस्सा मेट्रो के लिए और एक-चौथाई आवास के लिए रखा गया। इतना बड़ा वित्तीय निवेश स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ और इससे अभूतपूर्व रूप से शहरी ढांचे का स्वरूप बदल रहा है।

भारत की व्यापक आर्थिक और डिजिटल प्रगति ने इस रफ्तार को और तेज कर दिया है। आज हम लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जहां डिजिटल व्यवस्था रोजमर्रा की जिंदगी को चला रही है। यूपीआई ने अभी हाल ही में एक महीने में 20 अरब लेन-देन का आंकड़ा पार किया और हर महीने ?24 लाख करोड़ से ज़्यादा के लेन-देन संभाल रहा है। अब 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट से जुड़े हुए हैं और 56 करोड़ जनधन खाते जैम त्रिमूर्ति (जनधन, आधार, मोबाइल) का आधार हैं, जिसके ज़रिये सब्सिडी सीधे और पारदर्शी रूप से दी जाती है। यह पैमाना, औपचारिकता और फिनटेक अपनाने का मॉडल पूरी तरह भारतीय है और इसका असर सबसे गहरा शहरी क्षेत्रों पर दिखाई देता है।

मेट्रो क्रांति जमीन पर हुए बदलाव को सबसे अच्छी तरह दिखाती है। 2014 में भारत में सिर्फ़ 5 शहरों में लगभग 248 किलोमीटर मेट्रो लाइन चल रही थी। आज यह बढ़कर 23 से अधिक शहरों में 1,000 किलोमीटर से ज़्यादा हो गई है, जो हर दिन एक करोड़ से अधिक यात्रियों को ढोती है। पुणे, नागपुर, सूरत और आगरा जैसे शहरों में नए कॉरिडोर बन रहे हैं, जिससे सफ़र तेज़, सुरक्षित और प्रदूषण-रहित हो रहा है। यह सिर्फ़ लोहे और कंक्रीट का ढांचा नहीं है, बल्कि इसमें लोगों का समय बचना, हवा का साफ़ होना और नागरिकों को करोड़ों घंटे की अतिरिक्त उत्पादकता मिलना शामिल है। शहरी कनेक्टिविटी की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। एनसीआर के जाम से भरे इलाकों को नई बनी यूईआर-द्वद्व (दिल्ली की तीसरी रिंग रोड) से राहत मिल रही है, जो एनएच-44, एनएच-9 और द्वारका एक्सप्रेसवे को जोड़कर पुराने जाम के बिंदुओं को आसान बना रही है। भारत की पहली क्षेत्रीय तेज़ यातायात प्रणाली–दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस (नमो भारत)–पहले ही बड़े हिस्से पर चल रही है और पूरा संचालन जल्द ही शुरू होने वाला है, जिससे पूरा सफ़र एक घंटे से कम समय में तय होगा।

हरियाणा का मोस्ट वांटेड, हरिद्वार पुलिस का सिरदर्द आरोपी सुनील कपूर खुद मौत की नींद सोया

पथ प्रवाह, देहरादून

हरियाणा और उत्तराखंड पुलिस के लिए सिरदर्द बने कुख्यात अपराधी सुनील कपूर (36 वर्ष, निवासी जिंद, हरियाणा) ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आरोपी की घेराबंदी कर ली थी। लेकिन पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने मौंत की नींद सोना ही बेहतर समझा। आरोपी सुनील कपूर वही अपराधी है, जिसने 13 सितम्बर 2025 को हरिद्वार बस स्टैंड के पास हरियाणा पुलिस उपनिरीक्षक सुरेंद्र कुमार को पकड़ने के दौरान पिस्तौल से गोली मार दी थी। इस हमले में उपनिरीक्षक सुरेंद्र के पेट और हाथ में दो गोलियां लगी थीं। फिलहाल उनका इलाज एम्स ऋषिकेश में चल रहा है।

ऐसे पहुंची पुलिस तक आरोपी की लोकेशन

घटना के बाद से ही हरिद्वार और जिंद पुलिस की टीमें लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थीं। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि सुनील कपूर देहरादून के लक्ष्मण चौक स्थित अपने रिश्तेदार के घर में छिपा हुआ है। जानकारी मिलते ही हरिद्वार पुलिस, जिंद पुलिस और देहरादून पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपी के ठिकाने पर दबिश दी और घर को चारों ओर से घेर लिया।

आत्मघाती कदम

पुलिस टीम ने आरोपी को सरेंडर करने के लिए कई बार कहा, लेकिन गिरफ्तारी से बचने के लिए सुनील कपूर ने अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पुलिस जांच

घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य संकलन, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराई गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों से पूरी जानकारी ली। आरोपी के शव का पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

सुनील कपूर का आपराधिक इतिहास

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सुनील कपूर के खिलाफ हरियाणा और उत्तराखंड में कई संगीन मुकदमे दर्ज थे। इनमें धोखाधड़ी, जबरन वसूली, साइबर अपराध और जानलेवा हमले के केस शामिल हैं। प्रमुख मुकदमे इस प्रकार हैं।

1. मुकदमा संख्या 370/24, थाना सिविल लाइन, जिंद - गंभीर धाराएँ (308, 356, 319, 386 आदि)
2. मुकदमा संख्या 487/24, थाना सिविल लाइन, जिंद - बीएनएस और आईटी एक्ट की धाराएँ
3. मुकदमा संख्या 611/20, थाना सिविल लाइन, जिंद - धारा 384 आईपीसी (जबरन वसूली)
4. मुकदमा संख्या 618/25, थाना कोतवाली नगर, हरिद्वार - धारा 109 बीएनएस

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने साहित्यकारों को दी, दो 'साहित्य ग्राम' एक साहित्यिक पर्यटन केंद्र की सौगात

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर ?धामी ने उत्तराखंड के साहित्यकारों के लिए, दो 'साहित्य ग्राम' एक साहित्यिक पर्यटन केंद्र की सौगात दी है। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है और साहित्यकार समाज की संवेदनाओं के सच्चे मार्गदर्शक होते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हिंदी दिवस के अवसर पर आईआरडीटी सभागार, सर्वे चौक में आयोजित 'उत्तराखंड दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान समारोह' में बतौर मुख्य अतिथि साहित्यकारों को सम्मानित करने पहुंचे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यक्रम में साहित्यकार शैलेश मटियानी, गिरीश तिवारी 'गिर्दा', शेरदा अनपढ़ और हीरा सिंह राणा को मरणोपरांत तथा सोमवारी लाल उनियाल व अतुल शर्मा को जीवित रहते हुए उत्तराखंड दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। इस सम्मान के अंतर्गत साहित्यकारों को 5 लाख की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री

पुष्कर धामी ने कहा कि हिंदी भाषा को समृद्ध बनाने वाले महान साहित्यकारों को सम्मानित करना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने साहित्यकारों की भूमिका को स्मरण करते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक कवियों और लेखकों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया है।

साहित्य संरक्षण की दिशा में सरकार के प्रयास

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि राज्य सरकार 'उत्तराखंड भाषा संस्थान' के माध्यम से बिखरे हुए साहित्य को संरक्षित, संकलित और पुनर्स्थापित करने के लिए ठोस कार्य कर रही है। स्थानीय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी समृद्ध भाषायी विरासत से जुड़ी रहें। उन्होंने घोषणा की कि साहित्यकारों के लिए दो 'साहित्य ग्राम' स्थापित किए जाएंगे, जिनमें आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे उत्तराखंड को एक साहित्यिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी।

युवाओं को मिल रहा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सरकार रचनात्मक लेखन को बढ़ावा देने के लिए कक्षा 6 से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रही है। अब तक 100 से अधिक युवा रचनाकारों को सम्मानित किया गया है। हिंदी दिवस पर प्रदेशभर के 176 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने हिंदी और अन्य भाषायी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

पिछले दो वर्षों में सरकार ने 62 साहित्यकारों को पुस्तक प्रकाशन हेतु अनुदान दिया है। इस वर्ष भी पुस्तक प्रकाशन को प्रोत्साहित करने के लिए 25 लाख का विशेष बजट प्रावधानित किया गया है।

साहित्यकारों का योगदान अमूल्य

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अपने संबोधन में सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, शिवानी, शैलेश मटियानी, गिर्दा, शेरदा 'अनपढ़' और हीरा सिंह राणा जैसे साहित्यकारों का स्मरण किया। वहीं समकालीन रचनाकारों में अतुल शर्मा, प्रसून जोशी और सोमवारी लाल उनियाल के योगदान को सराहा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक और साहित्यिक पहचान को नई दिशा मिल रही है और उत्तराखंड सरकार भी उसी दृष्टि से निरंतर कार्य कर रही है।

समारोह में बड़ी उपस्थिति

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, विधायक खजान दास, सचिव नीरज खैरवाल, भाषा संस्थान की निदेशक जसविंदर कौर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, साहित्यकार, छात्र और संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे।

उत्तरकाशी राजकीय शिक्षक संघ का तर्पण कार्यक्रम, गंगा तट पर नियमावली का विसर्जन

पथ प्रवाह, संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

राजकीय शिक्षक संघ उत्तराखण्ड, जनपद शाखा उत्तरकाशी ने अपनी लम्बित मांगों को लेकर रविवार को श्राद्ध पक्ष में अनोखा विरोध दर्ज कराया। जिला मुख्यालय पर आयोजित तर्पण कार्यक्रम में शिक्षकों ने सीमित विभागीय भर्ती परीक्षा नियमावली की प्रतियां गंगा में प्रवाहित कर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कार्यक्रम की अगुवाई जिलाध्यक्ष अतोल महर और जिलामंत्री बलवन्त असवाल ने की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग और राज्य सरकार वर्षों से पदोन्नति, स्थानांतरण बहाली और वरिष्ठता निर्धारण जैसी समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। प्रदेशभर में करीब 96 विद्यालय प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक विहीन हैं, जबकि शिक्षकों को 25-30 सालों तक एक ही पद पर रोके रखकर रिटायर कर दिया जा रहा है। इससे शिक्षा व्यवस्था चरमराई हुई है और छात्रों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। संघ पदाधिकारियों ने याद दिलाया कि 16 सितम्बर 2024 को शासन ने आश्वासन दिया था कि नियमावली में किसी भी बदलाव से पहले शिक्षक संघ को विश्वास में लिया जाएगा, लेकिन इसके विपरीत कैबिनेट में प्रस्ताव भेज दिया गया।

चमोली में कांग्रेस संगठन सृजन कार्यक्रमः कार्यकर्ताओं से रायसुमारी, नई कार्यकारिणी गठन की तैयारी

पथ प्रवाह, संवाददाता, संदीप बर्तवाल। चमोली जिले में कांग्रेस संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत पर्यवेक्षकों ने कार्यकर्ताओं से रायसुमारी कर जिले की नई कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में पर्यवेक्षकों ने बताया कि कार्यकर्ताओं की राय के आधार पर ही नए पदाधिकारियों और जिलाध्यक्ष के उम्मीदवारों के नाम पार्टी हाईकमान को भेजे जाएंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कांग्रेस विधानमंडल दल उत्तरप्रदेश की नेता और संगठन सृजन कार्यक्रम की पर्यवेक्षक आराधना मिश्रा ने कहा कि पहली बार कांग्रेस में कार्यकारिणी गठन को लेकर इस तरह का संगठन सृजन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक जाकर कार्यकर्ताओं से रायशुमारी की जा रही है, जिससे पार्टी की मजबूती सुनिश्चित होगी। इस दौरान पर्यवेक्षकों ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे एकजुट होकर संगठन को मजबूत करें और आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को प्रदेश में भारी बहुमत दिलाने में योगदान दें। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री शूरवीर सजवाण, बद्रीनाथ विधायक लखपत बुटोला, राजेन्द्र भंडारी, प्रदीप थपलियाल, पूर्व विधायक थराली जीत राम, जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी चमोली मुकेश नेगी, नगरपंचायत नंदप्रयाग के अध्यक्ष पृथ्वी रौतेला, नगरपालिका अध्यक्ष गौचर संदीप नेगी, जोशीमठ नगरपालिका अध्यक्ष देवेस्वरी शाह, ब्लॉक प्रमुख गैरसैण सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बताया गया कि आगामी दिनों में गौचर, नंदप्रयाग, गोपेस्वर, पीपलकोटी, नंदानगर और जोशीमठ में भी कार्यकर्ताओं से रायसुमारी की जाएगी, ताकि नई कार्यकारिणी गठन में सभी स्तरों की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

मोरी ब्लॉक के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का जिलाधिकारी ने किया दौरा, सड़क-पानी-बिजली बहाली के निर्देश

पथ प्रवाह, संवाददाता : सुरेंद्र पाल सिंह

जखोल/उत्तरकाशी। भारी मानसूनी बारिश से जर्जर हालात झेल रहे मोरी ब्लॉक के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का रविवार को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ क्षेत्रीय विधायक दुर्गेश्वर लाल भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अवरुद्ध सड़कों को युद्धस्तर पर खोलने और पेयजल-विद्युत आपूर्ति तत्काल बहाल करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही किसानों और बागवानों की क्षतिग्रस्त फसलों का सर्वे कर शीघ्र आकलन रिपोर्ट उपलब्ध कराने के आदेश दिए।

सड़कों और सेवाओं की तत्काल बहाली के आदेश

पर्वत एवं बंगाण क्षेत्र को जोड़ने वाली कई आंतरिक सड़कें भूस्खलन और भू-धसाव से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। जिलाधिकारी ने जखोल-लिवाड़ी मार्ग को तुरंत खोलने के निर्देश वैपकोस को दिए। जखोल-फिताड़ी-लिवाड़ी से बैंचा तक क्षतिग्रस्त सड़क मार्ग की सुरक्षा हेतु सिंचाई विभाग से प्रस्ताव मांगा गया। वहीं बद्रासु गांव में भूस्खलन से प्रभावित पेयजल और विद्युत लाइनों का निरीक्षण कर जिलाधिकारी ने विभागीय अधिकारियों को तत्काल मरम्मत करने को कहा।

मकानों की सुरक्षा और सुरक्षात्मक कार्य शुरू करने के निर्देश

सुनकुंडी गांव में हैलीपैड और व्यूप्वाइंट क्षेत्र के पास हुए भू-धसाव से मकानों और खेतों पर मंडरा रहे खतरे को देखते हुए जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी को सुरक्षात्मक कार्य शुरू करने के आदेश दिए। ब्लॉक मुख्यालय परिसर के पास नाली निर्माण, पैदल मार्ग की दुरुस्ती और भूस्खलन प्रभावित मकानों की सुरक्षा हेतु तत्काल कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

ग्रामीणों ने रखीं शिक्षा और बागवानी से जुड़ी समस्याएं

निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी और विधायक ने जखोल में ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। ग्रामीणों ने विद्यालय भवनों की जर्जर स्थिति, शिक्षकों की तैनाती, कंप्यूटर उपलब्ध कराने और नए विद्यालय भवन निर्माण की मांग उठाई। इसके अलावा पांव मल्ला के थातरिंगा तोक में सेब बागवानी भूमि पर हो रहे भू-कटाव और सुनकुंडी-विणासु मातृ देवी ट्रैक मार्ग के सुधार की मांग की। नाकड़ खड्ड से गांवों को हो रहे खतरे का समाधान भी ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगा।

विधायक ने दिलाया आश्वासन

विधायक दुर्गेश्वर लाल ने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों का पुनर्निर्माण सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि मोरी-नैटवाड़-शांकरी सड़क के लिए धनराशि स्वीकृत हो चुकी है और जल्द कार्य शुरू होगा। साथ ही दुबई नामे तोक से फफराला, सिदरी, कोटगांव, सीमा और सिरोली गांवों में भू-वैज्ञानिक सर्वे कराया जाएगा, ताकि स्थायी सुरक्षात्मक कार्य सुनिश्चित किए जा सकें।

मौके पर जुटा बड़ा जनसमूह

निरीक्षण कार्यक्रम में एसडीएम मुकेश रमोला, ब्लॉक प्रमुख मोरी रणदेब सिंह राणा, ज्येष्ठ प्रमुख त्रेपन सिंह राणा, मुख्य उद्यान अधिकारी डॉ. रजनीश सिंह, मुख्य कृषि अधिकारी एस.एल. वर्मा, पर्यावरण विशेषज्ञ प्रताप मटूड़ा, आपदा समन्वयक जय पंवार, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयचंद्र सिंह रावत, ग्राम प्रधान उमेंद्र आष्ठ, भागचंद, बलबीर राणा समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे।

हिंदी दिवस पर गंगोत्री फिजिकल एकेडमी तिलोथ में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

पथ प्रवाह, संवाददाता, ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार जिला जज व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी के मार्गदर्शन में तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उत्तरकाशी सचिन कुमार के द्वारा रविवार को अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर गंगोत्री फिजिकल एकेडमी तिलोथ में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। सचिन कुमार ने शिविर में छात्र-छात्राओं और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी दिवस प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को मनाया जाता है। 14 सितम्बर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया था और 1953 से पूरे भारत में इसे हिंदी दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा के साथ-साथ हमारी मातृभाषा और संस्कृति की पहचान है। हिंदी दिवस हमें यह संदेश देता है कि हमें हिंदी का सम्मान करना चाहिए और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी महत्ता पहुँचानी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में गंगोत्री फिजिकल एकेडमी के संरक्षक चंद्रमोहन सिंह पवार ने विधिक सेवा प्राधिकरण और सचिव सचिन कुमार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम न केवल छात्रों में भाषा और संस्कृति के प्रति चेतना जगाते हैं बल्कि उन्हें विधिक जानकारी और सामाजिक जिम्मेदारी से भी जोड़ते हैं। शिविर में वरिष्ठ सहायक, रिटेनर अधिवक्ता, शिक्षक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने हिंदी भाषा के महत्व को स्वीकार करते हुए अधिक से अधिक प्रयोग करने का संकल्प लिया।

उत्तरकाशी में 17 सितंबर से शुरू होगा सेवा पखवाड़ा, बहुउद्देशीय शिविरों में मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह, संवाददाता, ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। सीमांत पर्वतीय जनपद उत्तरकाशी में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रविवार को विकास भवन सभागार में आयोजित तैयारी बैठक में अभियान की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी एस.एल. सेमवाल ने की।

सीडीओ सेमवाल ने बताया कि सेवा पखवाड़ा की शुरुआत 17 सितंबर को स्वच्छता कार्यक्रम से होगी। इसके साथ ही जनपद के सभी विकासखंडों में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के साथ-साथ राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविरों में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

बहुउद्देशीय शिविरों का विस्तृत कार्यक्रम

17 सितंबर को मोरी, नौगांव, चिन्यालीसौड़, डुंडा और भटवाड़ी विकासखंड मुख्यालयों में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जाएंगे, जबकि पुरोला में शिविर तहसील परिसर में लगेगा। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण अंचलों तक सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पहुंचाने पर विशेष जोर रहेगा।

सेवा पखवाड़ा के दौरान स्वास्थ्य विभाग और समाज कल्याण विभाग की ओर से स्वास्थ्य एवं दिव्यांग शिविर भी लगाए जाएंगे। इन शिविरों में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ दिव्यांगजनों को योजनाओं की जानकारी दी जाएगी और उनके यूडीआईडी कार्ड बनाए जाएंगे। शिविर कार्यक्रम इस प्रकार है-

17 सितंबर - भटवाड़ी विकासखंड मुख्यालय
19 सितंबर - प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुंडा
22 सितंबर - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़
23 सितंबर - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव
24 सितंबर - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोरी
25 सितंबर - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुरोला

अधिकारियों को दिए गए सख्त निर्देश

मुख्य विकास अधिकारी एस.एल. सेमवाल ने सभी विभागीय अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सेवा पखवाड़ा से जुड़े सभी कार्यक्रम समयबद्ध और प्रभावी ढंग से संपादित किए जाएं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुँचाना नहीं, बल्कि लोगों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर जागरूकता फैलाना भी है।

बैठक में पुलिस उपाधीक्षक जनक पंवार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.एस. रावत, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी, मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कोटियाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कई अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में जुड़े।

मनेरा स्टेडियम में जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता संपन्न

पथ प्रवाह, संवाददाता- ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। सीमांत पर्वतीय जनपद उत्तरकाशी के मनेरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में दो दिवसीय जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का शानदार समापन रविवार को हुआ। खेल निदेशालय उत्तराखण्ड, जिला प्रशासन उत्तरकाशी और जिला खेल कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में अंडर-18 बालक वर्ग और ओपन महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले खेले गए, जिनमें खो-खो ट्रेनिज और मनेरा गर्ल्स ने खिताब अपने नाम किया। अंडर-18 बालक वर्ग का फाइनल नागराज क्लब चिन्यालीसौड़ और खो-खो ट्रेनिज के बीच खेला गया। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और आखिरी क्षण तक दोनों टीमों में कड़ा संघर्ष जारी रहा। अंततः खो-खो ट्रेनिज ने नागराज क्लब को 18-16 से हराकर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

ओपन महिला वर्ग का फाइनल एन्जल एवेंजर्स और मनेरा गर्ल्स के बीच हुआ। मनेरा गर्ल्स की खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए एन्जल एवेंजर्स को 15-13 से हराकर महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

समापन समारोह और पुरस्कार वितरण

प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि भटवाड़ी की ब्लॉक प्रमुख ममता पंवार तथा विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान बोंगाड़ी अनिता देवी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मंगल सिंह राणा और सामाजिक कार्यकर्ता कुशपाल सिंह पंवार उपस्थित रहे।

जिला क्रीड़ा अधिकारी बबीता बिष्ट ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और स्मृति चिन्ह व बैज अलंकरण कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ममता पंवार ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्तरकाशी की खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम कमा सकती हैं। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं बल्कि अनुशासन, टीम भावना और जीवन की प्रेरणा का स्रोत हैं।

जिला क्रीड़ा अधिकारी बबीता बिष्ट ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और खेल भावना ही उनकी सबसे बड़ी जीत है। उन्होंने सभी विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और युवाओं को नशे से दूर रहकर खेलों से जुड़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले स्वास्थ्य विभाग, जल संस्थान, पीआरडी स्वयंसेवकों, प्रशिक्षकों और खेल विभाग के कार्मिकों का आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित की रूड़की के सरकारी अस्पताल में छापेमारी, लापरवाही पर फटकार

पथ प्रवाह, हरिद्वार

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने रविवार को उपजिला चिकित्सालय रुड़की का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया और कई खामियां सामने आने पर जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने ट्रॉमा सेंटर, ब्लड बैंक, आईसीयू वार्ड, महिला एवं पुरुष वार्ड का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पाया कि चिकित्सालय की सीटी स्कैन मशीन लंबे समय से खराब पड़ी हुई है, जिस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को मशीन बदलने के आदेश दिए।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने निरीक्षण के दौरान कई कमरों में सीलन और साफ-सफाई की स्थिति ठीक न होने पर भी असंतोष जाहिर किया। उन्होंने सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए ताकि मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्राथमिकता है कि किसी भी मरीज को चिकित्सालय में इलाज के दौरान दिक्कत न हो। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिए कि सभी मरीजों को चिकित्सालय परिसर में ही अल्ट्रासाउंड, पैथोलॉजी टेस्ट, आईसीयू की सुविधा और दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि मरीजों को बाहर से दवा खरीदने की नौबत नहीं आनी चाहिए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि चिकित्सालय में कोई उपकरण या मशीन खराब है, तो उसके लिए नए उपकरणों की खरीद का प्रस्ताव तत्काल शासन को भेजा जाए। साथ ही, यदि स्टाफ की कमी है तो इसके लिए भी शासन को पत्र प्रेषित किया जाए। नए ब्लड बैंक भवन का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा कर संबंधित संस्था से भवन का स्थानांतरण कार्य तत्काल कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय के जीर्णशीर्ण भवनों और कमरों को ध्वस्त करने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाए। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने स्पष्ट किया कि जिले के स्वास्थ्य संस्थानों को बेहतर सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। इस मौके पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक सेठ, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ए.के. मिश्रा, ब्लड बैंक प्रभारी रजत सैनी, तहसीलदार विकास अवस्थी सहित चिकित्सालय के डॉक्टर और कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम मयूर दीक्षित के निर्देशों पर बकायदारों पर सख्ती से 67 लाख की वसूली

पथ प्रवाह, हरिद्वार

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशों के अनुपालन में तहसील प्रशासन रुड़की ने बड़े बकायदारों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए विशेष वसूली अभियान चलाया। इस अभियान में दो दिनों के भीतर लगभग 66.98 लाख रुपये की वसूली कराई गई।

नायब तहसीलदार रुड़की यूसुफ अली ने जानकारी देते हुए बताया कि जिलाधिकारी के आदेश और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक सेठ के निर्देशन में क्षेत्रीय संग्रह अमीन सुंदरमणि, अरुण कुमार, परवेज धीमान और वीरेंद्र अनुसेवक की संयुक्त टीम गठित की गई। इस टीम ने तहसील क्षेत्र में विभिन्न बकायदारों से बकाया राशि की वसूली की।

पहले दिन की वसूली

- शनिवार को चलाए गए वसूली अभियान में 50,19,030 रुपये की राशि वसूली गई। इसमें प्रमुख रूप से
- वैल्नव रेमिडेस व्यापार कर देय - 42,50,000
- विलिन वयोमेड लि., माधोपुर (स्वस्थ न्यायालय देय) - 3,50,000
- मुजमिल अली, माधोपुर (बैंक देय) - 55,000
- कल्लू पुत्र जीराम, माधोपुर (न्यायालय देय) - 20,030
- आबिद अली पुत्र ग्राम नाला कुमडा (बैंक देय) - 1,10,000
- राकेश कुमार, ग्राम नन्हेडा (विद्युत देय) - 2,09,000
- मुस्तफा, ग्राम बौरासी (न्यायालय देय) - 25,000

दूसरे दिन की वसूली

रविवार को अभियान के दूसरे दिन 16,97,207 रुपये की वसूली की गई। इसमें प्रमुख बकायेदारों से वसूली इस प्रकार रही

- शाशी मेडिसिन कंपनी (व्यापार कर देय) - 4,47,500
- छाया डिपो स्टोर, रुड़की (व्यापार कर देय) - 13,415
- चरक मेडिकोज, रुड़की (व्यापार कर देय) - 31,248
- लक्की एजेंसी, रुड़की (व्यापार कर देय) - 24,250
- साजिद अली (बैंक देय) - 1,10,000
- पारेश इंटरप्राइजेज (व्यापार कर देय) - 1,00,000
- विशाल ऑटो, रुड़की (व्यापार कर देय) - 2,77,640
- विपिन कुमार, खंजरपुर (स्टाम्प देय) - 5,19,022
- एस.के. शाह कंस्ट्रक्शन, सोनालीपुर (व्यापार कर देय) - 1,74,132

कुल वसूली

दो दिनों में चलाए गए इस अभियान में तहसील प्रशासन रुड़की ने कुल 66,98,237 रुपये की वसूली कराई। नायब तहसीलदार यूसुफ अली ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और बकायेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बकायदारों से समय पर वसूली कर राजस्व में वृद्धि करना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। नाबालिग लगड़ी को अपने साथ बहका फुसला कर घर से भगाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हरिद्वार पुलिस ने यह कार्रवाई घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के 48 घंटे के भीतर की। पुलिस के मुताबिक 11 सितंबर 2025 को पीड़िता की मां ने जो ग्राम नौकराग्रन्ट, थाना बुग्गावाला, जनपद हरिद्वार की रहने वाली है, तहरीर दी कि अक्षय पुत्र स्व. लक्ष्मण सिंह निवासी ग्राम सिक्का थाना शामली, जनपद शामली उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहलाफुसलाकर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस संबंध में थाना बुग्गावाला पर मुकदमा अपराध संख्या 48/2025 एवं 3/4 पोक्सो अधिनियम बनाम अक्षय पंजीकृत किया गया। पीड़िता का तत्काल मेडिकल परीक्षण कराकर न्यायालय में बयान दर्ज कराए गए। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार ने अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया। थाना बुग्गावाला पुलिस ने थानास्तर पर पुलिस टीमों का गठन कर प्रभावी प्रयास किए।

गौ तस्करों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई, तीन शातिर गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल द्वारा गोवंश की तस्करी व गोकशी करने वाले अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में रविवार को बहादराबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन गौ तस्करों को मौके पर गौकशी करते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक सूचना मिली थी कि ग्राम मरगूबपुर में मौ. आसिफ अपने भाईयों सादिक व साहिल के साथ अपने घेर में गोकशी कर रहा है। जिस पर थाना बहादराबाद पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर जाकर दबिश दी गई। मौके से मौ. आसिफ, मौ. सादिक व मौ. साहिल को गिरफ्तार किया गया। मौके से करीब 500 किग्रा गो मांस व गौकशी उपकरण बरामद किए गए।

मौके पर पशु चिकित्सक को बुलाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गयी। बरामद गोमांस को अम्लीय छिड़काव कर मिट्टी में दबाया गया। अभियुक्तगणों के विरूद्ध गोवंश संरक्षण अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया।

पुलिस ने उतारा बदमाशी का भूत, पहुंचाया हवालात

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस ने एक युवक के सिर से बदमाशी का भूत उतारकर उसे हवालात की सैर करायी। आरोपी युवक हत्या के प्रयास में वांछित चल रहा था। उसने सोशल मीडिया पर अपनी बदमाशी का वीडियो डालकर रुतबा दिखाने का भी प्रयास किया था। आरोपी की कोर्ट रूम में गोली मारने की धमकी देने की वीडियो हुई वायरल हुई थी।

एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल के निर्देश पर वांछित आरोपितों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलौर पुलिस ने यह गिरफ्तारी की। कोतवाली मंगलौर पुलिस द्वारा कोतवाली मंगलौर में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 549/25 धारा 109(2) ब्नह्स में वांछित बदमाश को तमंचा के गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। प्रकरण में दो आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। आरोपी द्वारा अपना रुतबा दिखाने के लिए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मारपीट, कोर्ट रूम में गोली मारने की धमकी देने जैसे कई बदमाशी की वीडियो डाली गई है। जिनको वायरल कर आरोपी लोगों में भय पैदा कर रहा था।

हिंदी पखवाड़ा 2025 का पिथौरागढ़ में शुभारंभ

पथ प्रवाह, संवाददाता, जीवन सिंह बोहरा पिथौरागढ़

14 सितम्बर 2025 को डाक विभाग द्वारा मंडलीय कार्यालय, पिथौरागढ़ में हिंदी पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता आर. के. बिनवाल, अधीक्षक डाकघर, पिथौरागढ़ द्वारा की गई।

कार्यक्रम में प्रकाश राम, सहायक अधीक्षक डाकघर, राम सिंह बोरा, पोस्टमास्टर - प्रधान डाकघर पिथौरागढ़, एवं मंडलीय कार्यालय व प्रधान डाकघर के कर्मचारीगण - भुवन चंद्र जोशी, चंद्र शेखर, सुमित पंत, मोनिका एवं कुमारी गीतिका आदि ने सक्रिय सहभागिता की।

इस अवसर पर राजभाषा हिंदी के इतिहास, कार्यालयीन कार्यों में उसके प्रयोग और सरकारी कार्य प्रणाली में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने हिंदी भाषा को सशक्त और सरल माध्यम बताते हुए इसके प्रचार-प्रसार की दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत विभागीय कर्मचारियों हेतु विविध साहित्यिक एवं भाषाई प्रतियोगिताओं–जैसे निबंध लेखन, वाद-विवाद, श्रुतिलेख, कविता पाठ आदि–का आयोजन 15 से 28 सितम्बर 2025 तक किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य न केवल हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है, बल्कि कर्मचारियों को राजभाषा में कार्य करने के लिए प्रेरित करना भी है, जिससे प्रशासनिक कार्य प्रणाली में सहजता, सरलता एवं सशक्तता का संचार हो।

एक नजर

फर्जी सिम गिरोह का पर्दाफाश — पुलिस की छापेमारी में खुला नेटवर्क

अभियुक्त फर्जी सिम कार्डों को ऊंचे दामों में नेपाली नागरिकों को बेचते थे

पथ प्रवाह, संवाददाता, जीवन सिंह बोहरा ,पिथौरागढ़ । पुलिस अधीक्षक पिथौरागढ़ रेखा यादव के निर्देशन एवं सीओ गोविन्द बल्लभ जोशी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली झूलाघाट संजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कस्बा झूलाघाट स्थित एक दुकान में दबिश दी। दबिश के दौरान भारी मात्रा में फर्जी सिम व आधार कार्ड बरामद किये। दो अभियुक्तों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। अभियुक्त- ब्रिजेश गढ़कोटी पुत्र बलदेव गढ़कोटी निवासी झूलाघाट, मूल निवासी ग्राम गढकोटी चम्पावत तथा मनोज गढ़कोटी पुत्र बलदेव गढ़कोटी निवासी उपरोक्त दोनों भाइयों द्वारा कस्बा झूलाघाट में मोबाइल गैलरी चलायी जा रही थी, जो भोले-भाले ग्रामीणों को सिम बेचते समय धोखे से एक के स्थान पर कई सिम कार्ड एक्टिवेट करवा कर अपने पास रख लेते थे और बाद में उन्हें ऊंचे दामों पर नेपाली नागरिकों व अन्य लोगों को बेच देते थे। इन फर्जी सिम कार्डों का इस्तेमाल साइबर ठगों द्वारा अपराध में किया जा सकता था।

38 सिम कार्ड, 40 विभिन्न व्यक्तियों के आधार कार्ड फोटो कॉपी, 3 व्यक्तियों के मूल आधार कार्ड,अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 318(4), 61(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता 2023 व धारा 42 टेलीकम्युनिकेशन एक्ट 2023 के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। इस प्रकरण में अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता की जांच भी की जा रही है।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नागनाथ में हिन्दी दिवस का धूमधाम से आयोजन

पथ प्रवाह, संवाददाता, संदीप बर्तवाल। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नागनाथ पोखरी, चमोली में रविवार को हिन्दी विभाग के तत्वावधान में हिन्दी दिवस एवं हिमवंत कवि चन्द्रकुंवर बर्त्वाल निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार जुयाल ने किया, जिन्होंने कवि चन्द्रकुंवर बर्त्वाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार जुयाल ने हिन्दी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है, जो ज्ञान और संस्कृति के सभी क्षेत्रों में हमारी पहचान और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाषा के प्रति जागरूकता और सम्मान के साथ हम अपने सामाजिक और शैक्षणिक जीवन में आगे बढ़ सकते हैं। साथ ही कवि चन्द्रकुंवर बर्त्वाल के साहित्यिक योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. कीर्ति गिल ने हिन्दी की संवैधानिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया। संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तक हिन्दी भाषा से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारी राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न अंग है। डॉ. रामानंद ने हिन्दी भाषा की राजनीतिक और सामाजिक भूमिका पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी ने भारतीयों को एकसूत्र में जोड़ा और स्वतंत्रता आंदोलन में माध्यम भाषा के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं, डॉ. शशि चौहान ने कहा कि हिन्दी केवल भाषा नहीं बल्कि हमारी संस्कृति, पहचान और परंपरा की धुरी है। कर्मचारी प्रतिनिधि मानवेन्द्र असवाल ने कहा कि छात्र अपनी मातृभाषा में अधिक प्रभावी ढंग से सीखते हैं, यही हिन्दी दिवस की प्रासंगिकता है। कार्यक्रम में छात्राओं ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई। एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की दीपा सती ने हिन्दी भाषा के विकास और शब्दकोश की विशेषताओं पर अपने विचार साझा किए। इसके अलावा खुशी रावत, कली, लक्ष्मी सयाल और अन्य छात्र-छात्राओं ने हिन्दी कविताओं का सस्वर वाचन कर कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. कीर्ति गिल, डॉ. रामानंद, डॉ. शशि चौहान, कर्मचारी मानवेन्द्र, और छात्राओं कुन्ती, शिवानी चमोला, कशिश, मुन्नी, सानिया, कोमल, आदित्य सिंह, कृष राणा शामिल थे।

शाह की अध्यक्षता में पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन

गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में रविवार को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में हिंदी दिवस-2025 के अवसर पर पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन% का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। शाह ने समारोह के शुभारंभ अवसर पर हिंदी भाषा प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी अन्य भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि मित्र है। पहले अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होता था। इसमें कुछ बदलाव किए गए और पिछले पांच वर्षों से यह कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप हमें राजभाषा और देश की सभी भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाने का बहुत ही अच्छा अवसर प्राप्त हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुजरात में प्रारंभ से ही दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, कन्हैयालाल मुंशी और उमाशंकर जोशी सहित अन्य कई विद्वानों ने हिंदी भाषा को स्वीकार किया और इसका प्रचार भी किया। इन दूरदर्शी नेताओं ने भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के साथ संवाद करने और प्रत्येक राज्य में हिंदी को प्रोत्साहन देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि गुजरात में गुजराती और हिंदी का सह-अस्तित्व रहा है, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय स्तर पर गुजराती बच्चों की पहुंच बहुत अधिक बढ़ गई है।

थाना थल पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जीवन सिंह बोहरा पिथौरागढ़ । थानाध्यक्ष थल प्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत महत्वपूर्ण सफलता हासिल की गई। गुप्त सूचना के आधार पर अपर उपनिरीक्षक विनोद भट्ट, हे0का0 शकर देवड़ी तथा का0 जगदीश मारकूना की संयुक्त पुलिस टीम ने पाँखू गांव से डाडल जाने वाले रास्ते पर दबिश देकर अभियुक्त नंदन सिंह पुत्र स्व0 दिवान सिंह निवासी ग्राम डाडल थाना थल को 5 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया।

अभियुक्त के विरुद्ध थाना थल में धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

एसपी ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब का धंधा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद को प्रदेश उपाध्यक्ष का दायित्व

पथ प्रवाह, हरिद्वार

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद को प्रदेश उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा। इस निर्णय के बाद भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा सहित जिले की सभी कार्यकारिणी पदाधिकारी वेद मंदिर आश्रम पहुंचे और स्वामी यतीश्वरानंद को नए दायित्व के लिए बधाई दी। जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने कहा कि कार्यकारिणी के इस विस्तार से पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और स्थानीय नेतृत्व को नई ऊर्जा मिलेगी।

जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान ने इस अवसर पर मिठाई खिलाकर स्वामी यतीश्वरानंद का मुंह मीठा कराया और कहा कि उनकी नेतृत्व क्षमता अद्भुत है। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी चुनावों में स्वामी यतीश्वरानंद की सक्रिय भागीदारी भाजपा के लिए निर्णायक साबित होगी। जिला मंत्री संजीव चौधरी ने कहा कि स्वामी यतीश्वरानंद ने पार्टी को हरिद्वार में मजबूती प्रदान की है और आगामी चुनावों में उनके नेतृत्व का लाभ कार्यकर्ताओं को मिलेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वेद मंदिर आश्रम के बाहर पटाखे फोड़े गए और खुशी का माहौल बना। कार्यकर्ताओं ने न केवल स्वामी यतीश्वरानंद के नेतृत्व को सराहा, बल्कि उनके नए दायित्व की सफलता की कामना भी की। इस निर्णय को भाजपा संगठन में नई ऊर्जा और सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

उक्रांद चमोली जिला अधिवेशन संपन्न, यधुवीर सिंह नेगी बने जिलाध्यक्ष

पथ प्रवाह, संवाददाता, संदीप बर्तवाल,गोपेश्वर

उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) चमोली जिले का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन रविवार को नगर पालिका सभागार में संपन्न हुआ। अधिवेशन में यधुवीर सिंह नेगी को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष चुना गया। साथ ही, पंकज पुरोहित को कार्यकारी अध्यक्ष, दीपक सिंह राणा को जिला महामंत्री, विनोद नेगी को उपाध्यक्ष, उमा शंकर नेगी को संगठन मंत्री और भगत सिंह कुंवर को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष यधुवीर सिंह नेगी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे दल की विचारधारा को जिले के हर क्षेत्र तक पहुंचाने का काम करेंगे और संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय महामंत्री बृजमोहन सजवाण ने निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा कि उक्रांद जल्द ही बद्रीनाथ मास्टर प्लान, स्थानीय लोगों के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार, जोशीमठ आपदा पीड़ितों की अनदेखी और पावर प्रोजेक्ट्स से हो रहे नुकसान के खिलाफ आंदोलन करेगा।

अधिवेशन में केंद्रीय उपाध्यक्ष अरुण शाह, पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ राजेंद्र सिंह बिष्ट, बलवंत सिंह (प्रधान सुखी ग्रामसभा), गौरीकुंड के प्रधान, दशोली क्षेत्र पंचायत सदस्य पंकज पुरोहित, महावीर फरस्वाँण, विक्रम रावत, दिनेश चंद पोखरियाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com